व्यक्तित्व का स्वरूप
(NATURE OF PERSONALITY)

यद्यपि, 'व्यक्तित्व' शब्द बहुत व्यापक है और 'व्यक्तित्व' शब्द का प्रयोग हम विभिन्न अर्थों में किया करते हैं। परन्तु जब आप कहते हैं—'राम का व्यक्तित्व अच्छा है' तब प्रायः इसका तात्पर्य होता है कि राम की शारीरिक रचना बड़ी ही सुन्दर है, वह देखने में स्वस्थ, सुन्दर और युवा है। किन्तु यह विचार उन्हीं लोगों का है जो लोक सेवा-आयोग के चुनाव मण्डल के समक्ष उपस्थित होते हैं। उनके अनुसार यदि कोई व्यक्ति सुन्दर है, अपने विचारों को व्यक्त कर सकता है, दूसरों को अपने ढंगों से आकर्षित कर

Scanned with CamScanner

सकता है—तो वह अवश्य ही सफल हो सकता है, क्योंकि यह सब एक अच्छे व्यक्ति के गुण समझे जाते हैं। परन्तु वास्तविक रूप में यह विचार त्रुटिपूर्ण है। यह तो सत्य है कि व्यक्तित्व के अन्दर ये सभी बातें सम्मिलित हैं किन्तु कुछ शेष बातें और भी हैं जो हमारे कहने कि 'राम का व्यक्तित्व अच्छा है', में अन्तर्निहित हैं।

Scanned with CamScanner

व्यक्तित्व की परिभाषाएँ
(DEFINITIONS OF PERSONALITY)

वाटसन के अनुसार—"विश्वसनीय सूचना प्राप्त करने के दृष्टिकोण से काफी लंबे समय तक वास्तविक निरीक्षण या अवलोकन करने के पश्चात् व्यक्ति में जो भी क्रियाएँ अथवा व्यवहार का जो भी रूप पाया जाता है, उसे उसका व्यक्तित्व कहा जाता है।"

"Personality is the sun of the activities that can be discovered by actual observations over a long enough period of time to give reliable information."

—**J. B. Watson**

मन के अनुसार—"व्यक्तित्व व्यक्ति की संरचना, व्यवहार के ढंगों, रुचियों, अभिवृत्तियों, क्षमताओं, योग्यताओं एवं अभियोग्यताओं के विलक्षण संगठन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।"

"Personality may be defined as the most characteristics integrate of an individuals structures, modes of behaviour, interests, attitudes, capacities, abilities and aptitudes."

—**N. L. Munn**

जेम्स ड्रेवर के अनुसार—"व्यक्तित्व शब्द का प्रयोग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, नैतिक और सामाजिक गुणों के सुसंगठित एवं गत्यात्मक संगठन के लिए किया जाता है। इसे वह अन्य व्यक्तियों के साथ अपने सामाजिक जीवन के आदान-प्रदान में व्यक्त करता है।"

"Personality is a term used for the integrated and dynamic organisation of the physical, mental, moral and social qualities of the individual. It manifests itself to other people, in the give and take of social life."

—**James Draver**

बीसेन्ज और **बीसेन्ज** के अनुसार—"व्यक्तित्व मनुष्य की आदतों, दृष्टिकोणों तथा विशेषताओं का संगठन है। यह प्राणिशास्त्रीय, सामाजिक तथा सांस्कृतिक कारणों से संयुक्त कार्य द्वारा उत्पन्न होता है।"

"Personality is the organization of a person's habits, attitudes and traits and arises from the interplay of biological social and cultural factors."

—**Biesanj** and **Biesanj**

Scanned with CamScanner